निपाह वायरस

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

भारत के केरल राज्य में फिर से **निपाह वायरस** का प्रकोप देखा जा रहा है और इससे दो लोगों की मृत्यु हो गई है।

- **यह वर्ष 2021 के बाद से भारत में निपाह वायरस का पहला प्रकोप है, जब** कोविड-19 महामारी **के दौरान कोझिकोड (Kozhikode) में एक मामला सामने आया था।**

निपाह वायरस:

- **परिचय:**
  - यह एक **ज़ूनोटिक वायरस** है (जानवरों से इंसानों में संचरित होता है)।
  - निपाह वायरस इंसेफेलाइटिस के लिये उत्तरदायी जीव पैरामाइक्सोविरिडे श्रेणी तथा हेनिपावायरस जीनस/वंश का एक RNA अथवा **राइबोन्यूक्लिक एसिड वायरस** है तथा हेंड्रा वायरस से निकटता से संबंधित है।
    - **हेंड्रा वायरस** (HeV) संक्रमण एक दुर्लभ उभरता हुआ ज़ूनोसिस है जो संक्रमित घोड़ों और मनुष्यों दोनों में गंभीर तथा अक्सर घातक बीमारी का कारण बनता है।
  - यह **पहली बार** वर्ष 1998 और 1999 में **मलेशिया तथा सिंगापुर** में पाया गया था।
  - इस बीमारी का नाम मलेशिया के एक गाँव सुंगई निपाह के नाम पर रखा गया है, जहाँ सबसे पहले इसका पता चला था।
  - यह **पहली बार घरेलू सुअरों** में देखा गया और कुत्तों, बिल्लियों, बकरियों, घोड़ों तथा भेड़ों सहित घरेलू जानवरों की कई प्रजातियों में पाया गया।
- **संक्रमण:**
  - यह रोग टेरोपस जीनस के **'फ्रूट बैट'** अथवा 'फ्लाइंग फॉक्स' के माध्यम से फैलता है, जो निपाह और हेंड्रा वायरस के प्राकृतिक स्रोत हैं।
  - यह **वायरस चमगादड़ के मूत्र** और संभावित रूप से चमगादड़ के मल, लार व जन्म के समय तरल पदार्थों में मौजूद होता है।
- **लक्षण:**
  - मानव संक्रमण में बुखार, सिरदर्द, उनींदापन, भटकाव, मानसिक भ्रम, कोमा और संभावित मृत्यु आदि **इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम** सामने आते हैं।
- **रोकथाम:**
  - वर्तमान में **मनुष्यों और जानवरों दोनों के लिये कोई टीका उपलब्ध नहीं** है। निपाह वायरस से संक्रमित मनुष्यों की गहन देखभाल की आवश्यकता होती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nipah-virus-3